प्रांतीय स्वशासन के अन्तर्गत भारतीय शिक्षा

अजय कुमार
डॉ0 राधा गोविन्द सिंह

भारत में ब्रिटिश शैक्षिक प्रशासन के विरूद्ध मुख्य आरोप यह है कि उसने देश के लिए एक राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति का निर्माण नहीं किया। इस आरोप के बारे में कोई मतभेद नहीं है। जब 1921 में भारतीय शिक्षा के संबंध में अंग्रेजों का उत्तरदायित्व बहुत कुछ समाप्त हो गया उस समय सरकारी पद्धति ने राष्ट्रीय शिक्षा के संप्रत्यय को स्वीकार तक नहीं किया था। परन्तु यदि तर्क करने के लिए यह मान भी लें कि जनता को शिक्षा के लिए अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजी सदा ही उत्तरदायी रही तो अधिक से अधिक उन्हें इस बात का श्रेय दिया जा सकता है कि उन्होंने देश के लिए एक राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति का नामस प्रत्यक्षीकरण करके उसे शैक्षिक विकास की युद्धोत्तर योजना के रूप मे ंजनता के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। परन्तु यह योजना संतोषजनक नहीं है। यदि यह योजना संतोषजनक होती तो भी यह आरोप रहता कि 15 अगस्त, 1947 को इस योजना पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।